Answers

क.1 प्रातः काल पक्षी क्या गाता है?

उत्तर. प्रातः काल पक्षी अपना घोंसला छोड़कर अपने पंख लहराते हुए और आपस में कलरव करते हुए गाते हैं कि संसार का जीवन कल्याणकारी और मंगलमय होता है।

2. प्रसन्नता पूर्वक आत्म बलिदान का प्रेरक कौन है?

उत्तर. प्रसन्नता पूर्वक आत्म बलिदान का प्रेरक फूल होते हैं।

3. करुणा का संदेश कौन देता है?

उत्तर. करुणा का संदेश हमें आकाश में चमकने वाले तारों के अनगिनत समूह देते हैं।

4. फूलों से हमें क्या संदेश मिलता है?

उत्तर. हमारी दृष्टि जब भी फूलों पर पड़ती है, तो वे हमेशा मुस्कुराते रहते हैं और हमें यह संदेश देते हैं कि हमारा यह जीवन बहुत थोड़े समय का है ।हमें अपने इस जीवन को संसार के उपकार में लगाना चाहिए ।जिस तरह से फूल हमेशा अपने रूप,रंग,खुशबू से सब को अपनी और आकर्षित करता है ,उसी तरह हमें भी संसार के लिए ऐसे कार्य करना चाहिए कि लोग हमें याद रखें।

5. इस कविता के कवि का नाम बताइए।

उत्तर इस कविता के कवि का नाम सुमित्रानंदन पंत हैं।

6. निरंतर प्रयत्न की प्रेरणा कौन प्रदान करता है?

उत्तर. सागर में उठने वाली लहरें हमें निरंतर प्रयत्न करने की प्रेरणा प्रदान करती हैं।

प्र.2

1. लहरें मनुष्य को क्या प्रेरणा देती है?

उत्तर. सागर की लहरें सागर पर बार-बार उठती हैं, लेकिन कुछ आगे बढ़ने के बाद समाप्त हो जाती है। वह कभी निराश नहीं होती है और हार कर नहीं बैठती है ।लगातार प्रयास करती रहती है। और एक समय ऐसा आता है कि वह सागर के किनारे को छू लेती है। सागर की लहरें मनुष्य को यह प्रेरणा देती है कि हमें जीवन में किसी भी कार्य को करते हुए कभी निराश नहीं होना चाहिए।

2. कूल ,विलोक उमंग शब्दों के अर्थ बताइए।

उत्तर. किनारा, देख, उत्साह

3. उपरोक्त पंक्तियों का भावार्थ लिखिए?

उत्तर. उपरोक्त पंक्तियों का आशय यह है कि सागर की लहरें सागर पर बार-बार होती है लेकिन कुछ आगे बढ़ने के बाद फिर समाप्त हो जाती है और यह प्रक्रिया निरंतर चलती रहती है। पर सागर की लहरें कभी निराश नहीं होती है और ना ही हार कर बैठती है। लगातार प्रयास करती रहती है और एक समय ऐसा आता है जब वह सागर के किनारे को छू लेती है तब उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहता है । इसी तरह हमें भी जीवन में किसी भी कार्य को करते हुए कभी निराश नहीं होना चाहिए और लगातार प्रयास करते रहना चाहिए जब तक हमें सफलता प्राप्त ना हो।

4. लहरें परेशान क्यों है?

उत्तर. लहरें सागर के किनारे को छूने के लिए बार-बार सागर पर उठती है कुछ आगे बढ़ने के बाद ही समाप्त हो जाती है और बार-बार प्रयास करने के बाद भी जब किनारे को छू नहीं पाती है। इस प्रकार वह सागर के किनारे को छू ना पाने के लिए परेशान है।